UNIVERSITY NEWS 25 AUGUST 2026

HINDUSTAN TIMES

Resilience, sovereignty take centre stage at BRICS Academic Forum

Apart from economic aspects, BRICS must focus on fostering academic, scientific coop, say experts

Godhooli Sharma
godhooli.sharma@htlive.com

The 18th BRICS Academic Forum was held at LU on Monday. HT

LUCKNOW: The 18th BRICS Academic Forum organised at Lucknow University on Monday saw experts from academia and policymakers from BRICS nations emphasising the importance of upholding sovereignty, opposing unilateralism and fostering coordinated roles to promote global peace.

They also underscored the need for fostering academic and scientific cooperation, apart from the body's focus on economics.

These were discussed during the inaugural session of the forum and a panel discussion 'Investing in Resilience: A Systematic Imperative' at the Malviya Auditorium of LU.

"Apart from economic aspects, BRICS must think about fostering academic and scientific cooperation. In a complex multipolar system, foreign policy strategies based on diversification require knowledge and expertise across different countries and regions," said one of the panelists, Haroldo Ramanzini Junior, associate professor, Institute of International Relations, University of Brasilia (Brazil).

He said the 2020s had been marked by growing global instability and there was escalation of unilateralism, violations of sovereignty and expansion of conflicts.

"Since President Donald Trump returned to power in January 2025, the current foreign policy of the US has increased uncertainty and geopolitical tensions while weakening the foundations of international cooperation. In Latin America, the US has been using different strategies to establish a zone of dominance," he said while terming some BRICS and Global South countries as important voices in support of a more legitimate, less selective and multipolar international order.

Sameera Malakmurad, learning and development specialist, Mubadala Group, UAE, said BRICS countries should not only respond to the crisis, but need to be ready beforehand.

"This means investing in education, skills, health, youth, women and opportunities for future generations as well," she added.

Earlier, the day began with an inaugural session where Harsh V Pant, vice-president, Observer Research Foundation, India; Jai Prakash Saini, vice-chancellor, LU; Samir Saran, president, Observer Research Foundation, India, spoke about BRICS and the collective work being done by BRICS nations.

Sudhakar Dalela, secretary (economic relations) and BRICS Sherpa, ministry of external affairs, said India convened over 400 meetings, of which over 350 concluded with substantive outcomes.

"Five broad themes are linked to the forum's priorities: Investing in resilience; innovation for people, planet and enterprise; scaling sustainability and emerging technologies. For example, on innovation, the action plan on innovation-led growth for BRICS startups promotes startup collaboration, innovation exchange, cross-border incubation, financing and market access, including a proposal for a BRICS incubator network. On resilience, the BRICS Logistics Supply Chain Cooperation Framework strengthens the resilience and sustainability of cross-sector transport logistics through technical exchanges, knowledge sharing, and capacity building, which reflects the growing synergy between ideas and action within BRICS," said Dalela.

It was followed by a formal launch of the BRICS compendium: Building for resilience, innovation, cooperation and sustainability. Jing Zhao, deputy secretary-general of the China Council for BRICS think-tank cooperation, China, proposed four actions: building an independent Global South knowledge system beyond Western theory, fostering an innovative mindset, enhancing cooperation efficiency via the Global South think tank alliance and prioritizing youth talent exchange.

Alireza Khoda Gholipour, director general-designate and director for Asian Studies, Institute for Political and International Studies (IPIS), Iran, in his virtual address, emphasised that BRICS needs more than expansion - deeper mutual understanding and evidence-based narratives to prevent misunderstandings.

AMRIT VICHAR

लविवि में होंगी खेल प्रतियोगिता

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद की ओर से जिला स्तरीय इंटर कॉलेजिएट खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। जिसके लिए लखनऊ, बाराबंकी, सीतापुर, हरदोई और लखीमपुर खीरी मे खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन की तैयारी शुरू कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति के निर्देशानुसार प्रस्तावित प्रतियोगिताएं सितंबर में महिला एवं पुरुष वर्ग मे आयोजित की जानी हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध और संयुक्त सभी महाविद्यालयों को प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए प्रस्ताव भेजने का अवसर दिया गया है। क्रीड़ा परिषद ने इच्छुक महाविद्यालयों से संबंधित खेल प्रतियोगिता की मेजबानी के लिए विस्तृत बजट सहित प्रस्ताव 7 सितंबर तक भेजने को कहा है।

NBT

'ह्यूमैनिटी फर्स्ट को केंद्र में रखकर आगे बढ़ रहा भारत'

लखनऊ विश्वविद्यालय में 18वें ब्रिक्स अकादमिक फोरम में ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधियों ने किया वैश्विक मुद्दों पर मंथन।

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार को 18वां ब्रिक्स अकादमिक फोरम आयोजित हुआ। विदेश मंत्रालय के सचिव और ब्रिक्स शेरपा सुधाकर दलेला ने कहा कि भारत 'ह्यूमैनिटी फर्स्ट' सोच के साथ ब्रिक्स एजेंडे को आगे बढ़ा रहा है। देश के 30 शहरों में 400 से अधिक बैठकें हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि सतत विकास और जलवायु अनुकूलन में समुदाय व पारंपरिक ज्ञान की भूमिका अहम है।

> विकास मॉडल, जलवायु, एनर्जी और एमएसएमई पर मंथन हुआ

फोरम में एलयू वीसी प्रो. जेपी सैनी, ओआरएफ चेयरमैन समीर सरन समेत 10 से अधिक देशों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। विकास मॉडल, जलवायु, एनर्जी और एमएसएमई पर मंथन हुआ। ब्राजील की लुसियाना मैंडेस ने साझा प्रयासों पर जोर दिया, यूएई के उमर अलजामी ने ब्रिक्स की ठोस उपलब्धियां गिनाईं, जबकि ईरान के अलीरेजा खोदा ने अकादमिक सहयोग से मतभेद कम करने की बात कही।

ब्रिक्स के मंच पर गांधी की चर्चा

ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधियों के अकैडमिक फोरम में सोमवार को महात्मा गांधी की चर्चा रही। लखनऊ विश्वविद्यालय में महात्मा गांधी भी आए हैं, ऐसे में कई डेलिगेट ने इसका उल्लेख किया। चीन के जिंग झाओ ने कहा कि इस जगह पर कभी महात्मा गांधी ने भाषण दिया था। आज हम उसी जगह पर चर्चा कर रहे हैं, ये एक बड़ी बात है। इस फोरम की अगली मेजबानी चाइना करने जा रहा है। इसके अलावा ओआरएफ चेयरमैन समीर सरन ने भी इसका उल्लेख किया और इसे एक बेहतर मंच बताया।

I NEXT

'क्षितिज 5.0' एक सितंबर से होगा

15 दिवसीय 'साहित्यिक और सांस्कृतिक उत्सव क्षितिज 5.0' का आयोजन

LUCKNOW (24 Aug): काव्योम फाउंडेशन की ओर से लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी पखवाड़े के तहत 15 दिवसीय 'साहित्यिक और सांस्कृतिक उत्सव क्षितिज 5.0' का आयोजन किया जाएगा. एक से 12 सितंबर तक लखनऊ, सीतापुर, उन्नाव और सुलतानपुर के 20 से अधिक शिक्षण संस्थानों में विभिन्न प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी. इनके प्रतिभागियों का सम्मान समारोह 14 सितंबर को लखनऊ विश्वविद्यालय में होगा.

कवि सम्मेलन भी होगा

कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय के वीसी प्रोफेसर जयप्रकाश सैनी, दैनिक जागरण के संपादक (यूपी) आशुतोष शुक्ल, विधायक राजेश्वर सिंह, रेडियो उद्घोषक अनुपमा शरद और पुनीता अवस्थी शामिल होंगे. 15 सितंबर को राष्ट्रीय कवियों की मौजूदगी में कवि सम्मेलन के साथ कार्यक्रम का समापन होगा. आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदी भाषा और साहित्य से जोड़ना है.

DAINIK JAGRAN

एनसीसी से मिला मुकाम, सीडीएस में हुआ चयन

मिलिए मेधावी से

[illegible]

AMRIT VICHAR

उत्सव क्षितिज का होगा आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय का काव्योम फ़ाउण्डेशन हिंदी पखवाड़े में साहित्यिक और सांस्कृतिक उत्सव क्षितिज का आयोजन करने जा रहा है। आगामी 1 से 12 सितम्बर तक लखनऊ, सीतापुर, रायबरेली और हरदोई के कुल 20 से अधिक शिक्षण संस्थानों में विभिन्न साहित्यिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इन प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों का सम्मान समारोह और कार्यक्रम का समापन 14 और 15 सितंबर लखनऊ विश्वविद्यालय में संपन्न होगा।

DAINIK JAGRAN

साहित्यिक एवं सांस्कृतिक उत्सव 'क्षितिज 5.0' एक से

जागरण टीम • लखनऊ: काव्योम फाउंडेशन की ओर से लवि के हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग के तत्वावधान में 15 दिवसीय 'साहित्यिक और सांस्कृतिक उत्सव क्षितिज 5.0' का आयोजन किया जाएगा। एक से 12 सितंबर तक लखनऊ, सीतापुर, उन्नाव और सुलतानपुर के 20 से अधिक शिक्षण संस्थानों में विभिन्न प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। इनके प्रतिभागियों का सम्मान समारोह 14 सितंबर को लखनऊ विश्वविद्यालय में होगा। कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर जयप्रकाश सैनी, दैनिक जागरण के संपादक (उप्र) आशुतोष शुक्ल, विधायक राजेश्वर सिंह, रेडियो उद्घोषक अनुपमा शरद और पुनीता अवस्थी शामिल होंगे।

TIMES OF INDIA

BRICS forum focuses on sustainability and global development challenges

Times News Network

Lucknow: Academics, policymakers and experts from BRICS nations deliberated on global development challenges, including economic resilience, sustainability, technology, innovation and connectivity, on the first day of the 18th BRICS Academic Forum at Lucknow University on Monday.

BRICS Sherpa and secretary (economic relations), ministry of external affairs, Sudhakar Dalela, said India's BRICS chairship was guided by a people-centric approach rooted in "humanity first", stressing that sustainability should be grounded in communities and traditional knowledge to strengthen climate resilience.

Lucknow University vice-chancellor Prof Jai Prakash Saini highlighted the role of universities in linking knowledge with public policy through critical inquiry and evidence-based research, while noting that BRICS cooperation offers opportunities for shared learning and collective progress.

Describing BRICS as a unique institution-building experiment, ORF president Samir Saran said, "The grouping has endured for two decades without a headquarters, sustained by trust, human connections and a shared commitment to addressing global challenges."

Sessions examined ways to build resilience through diversified supply chains, stronger domestic capabilities, social protection measures and coordinated responses to economic, climate and geopolitical shocks.

Discussions on sustainability focused on energy security, infrastructure, transition finance and sustainable development goals.

On technology, executive director of IT for Change Anita Gurumurthy said BRICS should evolve from a standard-taker to a standard-setter in areas such as AI, data governance, cybersecurity and digital public infrastructure, reflecting Global South priorities.

Experts, including ORF Kolkata vice-president Nilanjan Ghosh, discussed transport, logistics and digital infrastructure as drivers of greater economic and strategic autonomy. ORF New Delhi vice-president Harsh V Pant said the next generation should shape a fairer, more prosperous and stable future for BRICS.

Ajay Kumar

Panellists at the BRICS forum at Lucknow University

Child development also in focus

The BRICS Child Futures Forum, organised under India's BRICS Presidency 2026 by ORF in partnership with UNICEF India, focused on child-centred human capital development. Discussions covered early childhood development, maternal health, nutrition, education, skills, social protection, digital inclusion and youth innovation.

AMAR UJALA

18वें ब्रिक्स एकेडमिक फोरम में लविवि में जुटे 10 से अधिक देशों के प्रतिनिधि, ब्रिक्स देशों पर ओआरएफ के अध्यक्ष समीर सरन ने कहा...

जीडीपी में 40% योगदान, वैश्विक व्यापार में हिस्सेदारी केवल 25%

माई सिटी रिपोर्टर

ओआरएफ के अध्यक्ष समीर सरन।

लखनऊ। तीन दिवसीय 18वें ब्रिक्स एकेडमिक फोरम के दूसरे दिन सोमवार को नीति-निर्माताओं, शिक्षाविदों और विशेषज्ञों ने ब्रिक्स के 20 वर्षों के सफर की समीक्षा की। दस से अधिक देशों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में विकासशील देशों के बीच आपसी सहयोग का साक्षी बना लखनऊ विश्वविद्यालय का मालवीय सभागार। इस दौरान ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) के अध्यक्ष समीर सरन ने कहा कि ब्रिक्स देशों का वैश्विक जीडीपी में करीब 40 प्रतिशत योगदान है, लेकिन वैश्विक व्यापार में उनकी हिस्सेदारी केवल 25 प्रतिशत है। यह दर्शाता है कि ब्रिक्स देशों के बीच आपसी व्यापार बढ़ाने की काफी संभावनाएं मौजूद हैं।

समीर सरन ने ब्रिक्स के तीसरे दशक के लिए तीन प्राथमिकताएं बताईं। इनमें वैश्विक शासन व्यवस्था में सुधार, तकनीक से समावेशी विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक कार्रवाई शामिल है। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता में ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ), रिसर्च एंड इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर डवलपिंग कंट्रीज (आरआईएस) और लखनऊ विवि ने मिलकर इस फोरम का आयोजन किया। विदेश मंत्रालय के सचिव (ईआर) और भारत के ब्रिक्स शेरपा सुधाकर दलेला ने कहा, ब्रिक्स अकादमिक मंच एक अग्रणी पहल है जिसने ब्रिक्स के भीतर बौद्धिक जुड़ाव और सहयोग को बनाए रखा है।

लविवि में आयोजित ब्रिक्स एकेडमिक फोरम में चर्चा करते (बाएं से दाएं) सचिन कुमार शर्मा, समीर मालकमुराद, मीना युसैफ साद, हरोल्डो रमंजिनी जूनियर, नतालिया नझोल्स्काया, रुचिता बेरी। -अमर उजाला

■ **अगली पीढ़ी की जिम्मेदारियों पर जोर :** 'ब्रिक्स एट 20' सत्र में ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के उपाध्यक्ष हर्ष वी. पंत ने अगली पीढ़ी की जिम्मेदारी पर जोर दिया। उन्होंने अधिक न्यायपूर्ण, समतामूलक, समृद्ध और स्थिर भविष्य के निर्माण की बात कही। चीन काउंसिल फॉर ब्रिक्स थिंक-टैंक कोऑपरेशन की उप महासचिव जिंग झाओ ने युवा शोधकर्ताओं की जरूरत को बेहद अहम बताया। कहा, उनकी भागीदारी बढ़ानी होगी।

ब्रिक्स की अगली समिट सितंबर में दिल्ली में प्रस्तावित है। इससे पहले आयोजित एकेडमिक फोरम सदस्य देशों के विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं को एक मंच पर लाने का प्रयास है। विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन की सीनियर फेलो रुचिता बेरी ने कहा कि आपसी सहयोग के परिणाम जल्द सामने आएंगे।

■ जलवायु परिवर्तन, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और आर्थिक अनिश्चितता के बीच लचीली व्यवस्था को विकसित करने पर भी चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने कहा, नवाचार का लाभ सीधे लोगों, समुदायों और अर्थव्यवस्थाओं तक पहुंचना चाहिए। केयर एज के प्रबंध निदेशक एवं समूह सीईओ मेहुल पंड्या ने बदलती वैश्विक परिस्थितियों में संप्रभु क्रेडिट रेटिंग व्यवस्था पर पुनर्विचार की आवश्यकता जताई। संप्रभु आकलन में कर्ज की संरचना, पूंजी निर्माण, जलवायु जोखिम और संरचनात्मक सुधारों को केवल फुटनोट तक सीमित नहीं रखा जा सकता।

■ फोरम में ब्रिक्स के 10 देशों ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, यूएई, ईरान, इथोपिया और इंडोनेशिया के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस बार की थीम 'बिल्डिंग फॉर रेजिलिएंस, इनोवेशन एंड कोऑपरेशन फॉर सस्टेनेबिलिटी' रखी गई। इथोपिया के इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन अफेयर्स के डिप्टी एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर मोहम्मद हामी अबेरा के अलावा यूएई की प्रतिनिधि उमर अलजामसी, साउथ अफ्रीका के यूनिवर्सिटी ऑफ क्वाजुलु-नटाल की क्रिमिनोलॉजी एंड फॉरेंसिक स्टडीज विभाग की प्रमुख निर्मला देवी गोपाल, रूस की एक्सपर्ट विक्टोरिया पनोवा ऑनलाइन जुड़ीं। ईरान के अलीरजा खोदापोलीपुर ने युद्ध के अनुभव साझा किए। मिस्र के इंफॉर्मेशन एंड डिसीजन सपोर्ट सेंटर के सेंट्रल डिपार्टमेंट की प्रमुख माई मोहसिन, मिस्र की मीना युसुफ साद, ब्राजील के हालेल्डो ने भी अपनी बात रखी।

■ **बच्चों के भविष्य में निवेश से ही सुरक्षित होगा अगला दशक :** भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता-2026 के तहत ओआरएफ और यूनिसेफ इंडिया की साझेदारी में चाइल्ड फ्यूचर्स फोरम का आयोजन रविवार शाम गोमतीनगर के एक होटल में किया गया। 'बच्चों में निवेश, भविष्य को सुरक्षित करना : अगले ब्रिक्स दशक के लिए मानव पूंजी' विषय पर आयोजित फोरम में बच्चों के बेहतर भविष्य, पोषण, शिक्षा और मानव पूंजी के विकास पर चर्चा हुई। उत्तर प्रदेश सरकार की महिला कल्याण, बाल विकास एवं पोषण मंत्री बेबी रानी मौर्य ने भाग लिया। उनके साथ ओआरएफ के उपाध्यक्ष डॉ. निलांजन घोष, यूनिसेफ इंडिया के प्रतिनिधि (एआई) जेम्स मोलर और भारत सरकार के पूर्व सचिव एवं प्रधानमंत्री के सलाहकार रहे तथा सीएसईपी के वरिष्ठ फेलो अमरजीत सिन्हा मौजूद रहे। इस बात पर जोर दिया गया कि बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा में निवेश आने वाले वर्षों में मजबूत मानव पूंजी तैयार करने की बुनियाद है।

I NEXT

सितंबर में होगा अंतर विद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

LUCKNOW (24 Aug): लखनऊ विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद की ओर से सितंबर में जिला स्तरीय अंतर-महाविद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा. विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी कालेजों के लिए आयोजित होने वाली इन प्रतियोगिताओं में महिला और पुरुष दोनों वर्गों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे. परिषद के महासचिव प्रो. अजय कुमार आर्य की ओर से जारी निर्देश के अनुसार लखनऊ, उन्नाव, बाराबंकी, सीतापुर, हरदोई और लखीमपुर-खीरी जिलों में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी. इनमें एथलेटिक्स, फुटबाल, वालीबाल, बास्केटबाल, खो-खो, कराटे, टग आफ वार, क्रिकेट और कबड्डी शामिल हैं.

नवाचार, सहयोग और स्थिरता पर फोकस

एलयू के सहयोग से शुरू हुआ तीन दिवसीय सम्मेलन

LUCKNOW (24 Aug): 18वें ब्रिक्स शैक्षणिक मंच पर नीति-निर्माताओं, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों ने ब्रिक्स के 20 वर्षों की यात्रा पर विचार-विमर्श किया. उन्होंने इस बात पर चर्चा की कि ब्रिक्स किस प्रकार अपनी सामूहिक क्षमता को मजबूत कर सकता है. भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम का आयोजन ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन ने रिसर्च एंड इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर डेवलपिंग कंट्रीज तथा लखनऊ विश्वविद्यालय के सहयोग से किया. विदेश मंत्रालय के सचिव एवं भारत के ब्रिक्स शेरपा सुधाकर दलेला ने कहा कि यह समूह एक विचार से विकसित होकर उभरते बाजारों और विकासशील देशों के बीच सहयोग के प्रमुख मंचों में शामिल है. उन्होंने बताया कि भारत की 2026 की ब्रिक्स अध्यक्षता में लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता पर विशेष ध्यान दिया गया.

महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा

चर्चाओं में जलवायु परिवर्तन, आपूर्ति-श्रृंखला में व्यवधान, आर्थिक अनिश्चितता, सतत विकास, वित्त और बुनियादी ढांचे जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार किया गया.

परिणामों में आगे बढ़ना है

प्रतिभागियों ने कहा कि संकट आने के बाद प्रतिक्रिया देने के बजाय पहले से ही लचीलापन विकसित करना जरूरी है. इसके लिए विविधीकृत सप्लाई चेन, मजबूत घरेलू क्षमता, सामाजिक सुरक्षा, तकनीकी विकास, शिक्षा, वित्त और ब्रिक्स देशों के बीच ज्ञान के बेहतर आदान-प्रदान पर जोर दिया गया. ब्रिक्स के सहयोग को केवल संवाद तक सीमित न रखकर उसे दीर्घकालिक परिणामों में बदला जाए.

HINDUSTAN

वैश्विक व्यवस्था को अधिक न्यायपूर्ण बनाने पर जोर

18वें ब्रिक्स अकादमिक फोरम में सोमवार को वक्ताओं ने विचार रखे।

सम्मेलन

लखनऊ, संवाददाता। ब्रिक्स के 20 साल पूरे होने के बाद अब संगठन के सामने वैश्विक शासन व्यवस्था में सुधार, तकनीक को समावेशी विकास का माध्यम बनाने और टिकाऊ विकास के लिए सामूहिक प्रयास बढ़ाने की चुनौती है। सोमवार को लखनऊ में शुरू हुए 18वें ब्रिक्स अकादमिक फोरम में नीति-निर्माताओं, शिक्षाविदों, विशेषज्ञों ने ब्रिक्स के भविष्य पर मंथन किया।

भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत आयोजित फोरम का आयोजन ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन रिसर्च एंड इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर डेवलपिंग कंट्रीज और लखनऊ विश्वविद्यालय के सहयोग से किया। केयरएज के प्रबंध निदेशक एवं समूह मुख्य कार्यकारी अधिकारी मेहुल पांड्या ने विशेष संबोधन में देशों की साख तय करने की मौजूदा व्यवस्था पर पुनर्विचार की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि संप्रभु साख के आकलन में ऋण संरचना, पूंजी निर्माण, जलवायु जोखिम और संरचनात्मक सुधारों को अधिक महत्व मिलना चाहिए। ओआरएफ के अध्यक्ष समीर सरन ने कहा कि ब्रिक्स के तीसरे दशक में तीन प्राथमिकताएं बेहद महत्वपूर्ण हैं।

प्रमुख मंच के रूप में स्थापित हुआ ब्रिक्स

विदेश मंत्रालय में सचिव (ईआर) एवं भारत के ब्रिक्स शेरपा सुधाकर दलेला ने कहा कि ब्रिक्स एक विचार से आगे बढ़कर उभरते बाजारों और विकासशील देशों के बीच सहयोग के प्रमुख मंच के रूप में स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत की 2026 की ब्रिक्स अध्यक्षता का केंद्र बिंदु लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता है।

AMAR UJALA

लविवि में 15 दिन तक बहेगी साहित्य व संस्कृति की गंगा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी व आधुनिक भारतीय भाषा विभाग के साथ मिलकर काव्योम फाउंडेशन 15 दिवसीय साहित्यिक और सांस्कृतिक उत्सव क्षितिज-5.0 का आयोजन कर रहा है। यह आयोजन हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत किया जा रहा है। इस उत्सव के तहत एक से 12 सितंबर तक लखनऊ, सीतापुर, रायबरेली और हरदोई के 20 से अधिक शिक्षण संस्थानों में साहित्यिक प्रतियोगिताएं होंगी। इन प्रतियोगिताओं का सम्मान समारोह और समापन 14-15 सितंबर 2026 को लखनऊ विश्वविद्यालय में होगा। यह दो दिवसीय हिंदी दिवस समारोह का हिस्सा है। इसमें कुलपति प्रो. जयप्रकाश सैनी, वरिष्ठ पत्रकार आशुतोष शुक्ल और विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह उपस्थित रहेंगे। (माई सिटी रिपोर्टर)

AMAR UJALA

पॉक्सो अधिनियम की जानकारी दी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. बोनो क्लब ने सोमवार को पॉक्सो अधिनियम पर एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला त्रिलोकी सिंह इंटर में कक्षा 10 के लगभग 200 विद्यार्थियों के लिए थी। यह कार्यशाला लविवि के विधि संकाय के प्रो. बोनो क्लब के संकाय प्रभारी प्रोफेसर आलोक कुमार यादव के मार्गदर्शन में हुई। इसका नेतृत्व क्लब की छात्र समन्वयक कोमल सिंह ने किया। रत्ना, कृतिका, सार्थक और विश्वेंद्र सहित क्लब के अन्य सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। (माई सिटी रिपोर्टर)

AMAR UJALA

अंतर कॉलेज खेल प्रतियोगिता अगले माह

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद के निर्देशन में सितंबर माह में जिला स्तरीय अंतर-कॉलेज खेल प्रतियोगिताओं (महिला व पुरुष वर्ग) का आयोजन किया जाएगा। इन प्रतियोगिताओं में लखनऊ, बाराबंकी, सीतापुर, हरदोई एवं लखीमपुर खीरी जिलों के सम्बद्ध एवं संयुक्त महाविद्यालय हिस्सा लेंगे। इन प्रतियोगिताओं के तहत एथलेटिक्स, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, खो-खो, कराटे, रस्साकशी, क्रिकेट और कबड्डी के मुकाबले होंगे। लखनऊ विश्वविद्यालय एथलेटिक एसोसिएशन के महासचिव प्रो. अजय कुमार आर्य के अनुसार प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन के लिए इच्छुक महाविद्यालयों से विस्तृत बजट सहित प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक कॉलेज अपने प्रस्ताव सात सितंबर तक विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर भेज सकते हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN

एलयू में होगा 'क्षितिज 5.0' साहित्यिक उत्सव

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग और काव्योम फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी पखवाड़े के तहत 15 दिवसीय क्षितिज 5.0' साहित्यिक एवं सांस्कृतिक उत्सव आयोजित होगा। एक से 12 सितंबर तक लखनऊ, सीतापुर, रायबरेली और हरदोई के 20 से अधिक शिक्षण संस्थानों मे साहित्यिक प्रतियोगिताएं होंगी। प्रतियोगिताओ के विजेताओं का सम्मान और उत्सव का समापन 14-15 सितंबर को किया जाएगा।